ओ. आर. सी. मीटिंग रिपोट

बहुत समय के बाद कला-संस्कृति प्रभाग के सदस्यों के लिए मुख्यालय से बाहर ओ.आर.सी. (ओम शान्ति रिट्रीट सेन्टर) गुड़गांव में त्रिदिवसीय (29 सेप्टेम्बर-1आक्टूबर,2012) मीटिंग,ट्रेनिंग एवं योग भट्टी का कार्यक्रम आयोंजित किया गया। जिसमें **बी.के.कुसुम बहन(** राष्ट्रीय संयोजिका,कला एवं संस्कृति प्रभाग),**बी.के.दयाल** तथा **बी.के. सतीश** (मुख्यालय संयोजक),**बी.के. निहा बहन** (मुम्बई) तथा **बी.के. तृप्ति बहन** (भावनगर) एवं **बी.के.कृष्णा बहन** (दिल्ली) के अतिरिक्त लगभग 250 बी.के. भाई-बहनों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में विशेष रूप से कला एवं संस्कृति प्रभाग के आजीवन सदस्य आमंत्रित किये गये थे।

29 सितम्बर,2012 सायं 7 बजे स्वागत सत्र कार्यक्रम का आरम्भ परमपिता परमात्मा की याद के साथ किया गया। सर्व प्रथम दिल्ली की बहनों ने सभी मंचासीन अतिथियों का पुष्प गुच्छों से स्वागत किया। फिर ओ.आर.सी.की डायरेक्टर आदरणीय **बी.के. आशा बहन** ने सभी अतिथियों का शब्दों के द्वारा स्वागत किया। दिल्ली के विभिन्न सेवाकेन्द्रों से आयी कन्याओं ने गीत-संगीत के साथ एक नाटक प्रस्तुत किया जिसमें राजधानी दिल्ली के भूतकाल की कहानी का वर्णन बहुत ही सुन्दर ढंग से किया गया। प्योरिटी पत्रिका के एडीटर **भ्राता ब्रिज मोहन भाई जी** ने भी कार्यक्रम में आये सदस्यों को सम्बोधित किया

30 सितम्बर,2012 को प्रात: सभी सदस्यों का ग्रुप फोटो लिया गया। उसके बाद 10बजे से 1बजे तक कला एवं संस्कृति प्रभाग के सदस्यों के लिए ट्रेनिंग का कार्यक्रम रखा गया जिसमें 150 सदस्यों ने भाग लिया। जोधपुर से आयी **बी.के.रेनू बहन** ने वीडियो प्रजेन्टेशन के द्वारा ट्रेनिंग का कार्यक्रम बड़े सुचारु रूप से चलाया। नान बी.के. कलाकारों को आध्यात्मिक ज्ञान कैसे दिया जाय जोकि उनके कला के क्षेत्र में उपयोगी हो, ट्रेनिंग में इस बात पर विशेष ध्यान दिया गया। बाकी सदस्यों के लिए 10बजे से 1 बजे तक योग भट्टी का कार्यक्रम भी रखा गया। **भ्राता बी.के. सतीश** ने योग भट्टी करवाया। इसी दिन सायं 4 बजे से सभी सदस्यों की मीटिंग रखी गयी। **बी.के. सतीश भाई** ने मीटिंग में आये सभी सदस्यों का परिचय कराया।उन्होंने **अगरतल्ला अभियान** में की गयी सेवाओं का विस्तृत वर्णन किया, साथ ही साथ चार प्रकार के कलाकारों (मंच कलाकार, नेपथ्य कलाकार,कवि एवं साहित्यकार तथा विश्वकर्मा समूह) की कला एवं संस्कृति प्रभाग द्वारा की जाने वाली सेवाओं की भी जानकारी दी।कला एवं संस्कृति प्रभाग का सदस्य बनने से क्या-क्या फायदे हैं,बी.के. दयाल भाई ने इसकी जानकारी दी।आजीवन सदस्य कार्ड का प्रयोग कहाँ- कहाँ और कैसे किया जाय इसकी भी जानकारी दी।

कला एवं संस्कृति प्रभाग की सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए दिल्ली में अलग-अलग क्षेत्रों में सेवाओं के लिए चार बहनों को नामित किया गया। इसी प्रकार मुम्बई के विभिन्न क्षेत्रों में की जाने वाली सेवाओं के लिए बी.के. निहा बहन,गामदेवी को निमित्त बनाया गया। वे बोरीवली, विलेपार्ले तथा गामदेवी सेवाकेन्द्रों की इंचार्ज बहनों की सहमति से कला एवं संस्कृति प्रभाग की सेवाओं के लिए इन सेवाकेन्द्रों से एक-एक बहन को निमित्त बनायेंगी।

बी.के.राजेन्द्र, भाई ने जलगाँव में की जाने वाली सेवाओं की जिम्मेवारी ली।

शान्तिवन में 30 नवम्बर को बाबा मिलन के उपलक्ष में होने वाली 3 दिन की मीटिंग के विषय में भी सभी सदस्यों केा जानकारी दी गयी। बी.के.तृप्ति बहन,भावनगर ने भावनगर में कुछ विशेष ईश्वरीय सेवा करने के अपने विचार व्यक्त किये।

सायंकाल 8.30 से 9.30 तक कल्चरल कार्यक्रम का आयोजन हुआ। **बी.के.आशा बहन,डायरेक्टर ओ.आर.सी**.ने सभी सदस्यों को सम्बोधित किया और सौगात भी दीं। दिल्ली के कवि भाई ने कविता पाठ करते हुए याद दिलाया कि अन्त में तो सभी को दिल्ली में ही आना है।

1 अक्टूबर को सायंकाल सभी सदस्यों की फिर मीटिंग हुई जिसमें सभी ने अपने अनुभव सुनाए।

गीत

आये हैं मेहमान खिला आंगन है आज हमारा

दिल्ली का दिल-दिल करता है स्वागत आज तुम्हारा

फूल हंसे कलियां मुस्काईं, महका चेतन उपवन

देख आप को हर्षित है ,प्यारी दिल्ली का जन-जन

उत्सव लाया नई रवानी,चढ़ा खुशी का पारा

ठौर-ठौर से आये हैं,ये अतिथि देव हमारे

ये ब्राह्मण कुलभूषण हैं,धरती के ज्ञान सितारे

खोल रहे हैं फिर मिलके,सतयुग का स्वर्णिम द्वारा

आओ भारत की संस्कृति को , घर-घर में लहरा दें

मानव-मानव में फिर से,दैवी संस्कार जगा दें

चेतन देवी देवों से, मुस्काये भारत सारा

मानव जीवन में आ जायें , ऐसी श्रेष्ठ कलायें

फिर से सोलह कलापूर्ण , सब का जीवन बन जाये

लक्ष्मी नारायण से सज जाये,फिर घर-घर प्यारा

गीत – कवि जी संगीत - अश्विनी सूदन